सांध्य दैनिक
4PM

जीवन में असफल हुए कई लोग वे होते हैं जिन्हें इस बात का आभास नहीं होता कि जब उन्होंने हार मान ली तो वे सफलता के कितने करीब थे।
-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 237 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 अक्टूबर, 2022

भाजपा नड्डा की अध्यक्षता में ही... 8 | यूपी में पार्टी को मजबूत करने के... 3 | कर्जमाफी के नाम पर लोगों को... 7

एक बार फिर धंसा भ्रष्टाचार का पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे!

विपक्ष बोला, प्रदेश में हर ओर भ्रष्टाचार के गड्ढे

- 12 घंटे की बारिश भी नहीं झेल सका एक्सप्रेस-वे
- पांच फीट गहरे और 15 फीट चौड़े गड्ढे में गिरी कार, कई चोटिल
- पिछले साल पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एक बार फिर बारिश को नहीं झेल सका। सुलतानपुर में बीती रात हलियापुर में एक्सप्रेस-वे की सड़क धंस गई। इससे पांच फीट गहरा व 15 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। एक्सप्रेस-वे के धंसने की सूचना से अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। वहीं विपक्ष ने इस मामले पर प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि ये भ्रष्टाचार का प्रमाण है। प्रदेश में हर ओर भ्रष्टाचार के गड्ढे नजर आ रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे 12 घंटे की बारिश नहीं झेल सका और फिर धंस गया। ये हादसा केएम 83 पर हलियापुर थाना क्षेत्र में हुआ। इस दौरान एक्सप्रेस-वे से गुजर रही एक कार गड्ढे में गिर गई जबकि पीछे आ रही आधा दर्जन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। कार सवारों को मामूली चोटें आई हैं। जब पुलिस और यूपीडा कर्मियों को इसकी जानकारी लगी तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मौके पर पहुंची पुलिस और यूपीडा कर्मियों ने गड्ढे में गिरी कार निकलवाई। घायलों का प्राथमिक उपचार करवाया गया। एक्सप्रेस-वे की सड़क दुरुस्त करवाई गई है और छोटी गाड़ियों का आवागमन शुरू करवा दिया गया है जबकि भारी वाहनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि बीते वर्ष नवंबर में पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित किया था। दावा किया गया था कि अन्य एक्सप्रेस-वे की तुलना में ये न सिर्फ मजबूत है बल्कि गुणवत्ता भी बेहद अच्छी है लेकिन इसके दूसरी बार धंसने के बाद यह सवालों के घेरे में हैं। विपक्ष इसके निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सरकार को घेर रहा है।

22 हजार करोड़ में हुआ है निर्माण

पिछले वर्ष 22 हजार करोड़ रुपये से बने 340 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण 16 नवंबर 2021 को पीएम मोदी ने सुलतानपुर में कूरेभार थानाक्षेत्र के अरवल कीरी स्थित एयर स्ट्रिप से किया था। इस प्रोजेक्ट से जनपद लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ तथा गाजीपुर जुड़े हैं। एक्सप्रेस-वे पर आपातकालीन स्थिति में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लैंडिंग/टेक ऑफ के लिए सुलतानपुर में 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी का निर्माण भी किया गया है।

पिछले साल भी धंसी थी सड़क

11 माह पूर्व बनकर तैयार हुए इस एक्सप्रेस-वे पर सड़क धंसने का ये पहला मामला नहीं है। पिछले साल मई में भी तीन दिनों तक हुई बरसात में कुवांसी-हलियापुर के बीच एक्सप्रेस-वे के अंडर पास की बीम दरक गई थी। अंडरपास की रेलिंग व फुटपाथ की मिट्टी बह गई थी और सड़क में दरार आ गई थी ।

“सड़कों को गड्ढामुक्त करने से लेकर एक्सप्रेस-वे के निर्माण तक में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। भाजपा सरकार केवल ईमानदारी की बात करती है लेकिन काम इनका भ्रष्टाचार का है। बुंदेलखंड से लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक में यह साफ दिखाई पड़ रहा है। सरकार के इस भ्रष्टाचार से आम जनता की जान जोखिम में पड़ गयी है।

सुनील सिंह साजन, सपा नेता

“एक ओर सीएम कह रहे हैं कि 15 नवंबर तक सड़कें गड्ढा मुक्त हो जानी चाहिए दूसरी तरफ पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे ही धंस रहा है। पिछले छह साल से सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त नहीं कर सकी है। केवल दिखाने के लिए ईमानदारी की बात हो रही है जबकि हर ओर भ्रष्टाचार फैला है।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“प्रदेश में हर ओर भ्रष्टाचार के गड्ढे दिख रहे हैं। सरकार गले तक भ्रष्टाचार में डूबी है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की ताजा घटना एक बानगी भर है। वहीं सरकार केवल बयानबाजी कर रही है। मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार पर नकेल कसने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

लधानी कंपनी के ठिकानों पर आयकर के छापों से हड़कंप

- लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में पहुंची टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयकर की टीम ने आज लखनऊ, उन्नाव, नोएडा, आगरा, बरेली, दिल्ली, गुरुग्राम व अयोध्या में कोका कोला के बॉटलर्स लधानी कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी की। इससे हड़कंप मचा हुआ है।

सौरभ लधानी, विवेक लधानी के स्वामित्व वाली वृंदावन बॉटलर्स के गोमती नगर स्थित ठिकानों, रिवर साइड मॉल आदि पर छापेमारी की गई। अयोध्या के चांदपुर स्थित अमृत बोटलर्स पर भी छापा पड़ा है। मालिक के आवास रामनगर में

आयकर की टीम पहुंची है। टीमें जांच-पड़ताल में जुटी हैं। शीतल पेय बनाने वाली कंपनी बृंदावन बेवरेजेस (कोकोकोला) पर आयकर विभाग की छापेमारी हुई। आयकर विभाग की टीमें 15 गाड़ियों के काफिले के साथ दिल्ली से पहुंची हैं। बरेली में फैक्ट्री के सभी गेट बंद कराए गए। फैक्ट्री कर्मचारियों को गेट के बाहर ही रोका गया।

शराब घोटाले में दिल्ली से पंजाब तक ईडी की छापेमारी

35 ठिकानों पर कार्रवाई, दो को पहले किया जा चुका है गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के शराब घोटाले में आज एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। दिल्ली के अलावा हैदराबाद, पंजाब में 35 ठिकानों पर केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कार्रवाई की है। इस केस में पहले भी सीबीआई और ईडी छापेमारी कर चुकी है, जिसमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर और बैंक लॉकर की तलाशी भी शामिल है। शराब घोटाला केस में विजय नायर और समीर महेंद्रू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

केंद्रीय जांच एजेंसी को दिल्ली के

शराब घोटाले के तार आंध्र प्रदेश व पंजाब से भी जुड़ने के संकेत मिले हैं इसलिए यहां सबूत तलाशने की कोशिश की जा रही है। समीर महेंद्रू से पूछताछ में कई अहम जानकारी मिली हैं। छापेमारी राजनीति से जुड़े कुछ लोगों, शराब कारोबारियों और पूर्व अधिकारियों के घर की जा रही है। गौरतलब है कि एलजी की सिफारिश पर दिल्ली में शराब नीति में कथित घोटाले को लेकर सीबीआई ने केस दर्ज किया था। बाद में ईडी ने भी जांच शुरू की।

की जा रही गंदी राजनीति : केजरीवाल

ईडी की रेड को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 500 से ज्यादा रेड, 3 महीनों से सीबीआई-ईडी के 300 से ज्यादा अधिकारी 24 घंटे लगे हुए हैं। एक मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए। कुछ नहीं मिल रहा क्योंकि कुछ किया ही नहीं। अपनी गंदी राजनीति के लिए इतने अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा?

सड़क से संसद तक लड़ेंगे किसानों के हक की लड़ाई : जयंत चौधरी

» रालोद अध्यक्ष बोले, भाजपा सरकार की कथनी-करनी में अंतर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि वह किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्व. महेंद्र सिंह टिकैत और चौ. चरण सिंह ने किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर जो रास्ता उन सभी को दिखाया वह उसका अनुसरण करते रहेंगे। वहीं आप नेता संजय सिंह ने कहा कि किसानों के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई में आम आदमी पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर भाकियू के साथ चलेगी। मुजफ्फरनगर में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि किसान मसीहा स्व. महेंद्र सिंह टिकैत आज भी सभी की प्रेरणा बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों के हक में किये गए उनके संघर्षों से प्रत्येक किसान ऊर्जा ले रहा है। रालोद नेता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। यही कारण है कि मोरना चीनी मिल का आज तक विस्तारीकरण नहीं हो पाया। जयंत चौधरी ने यहां जनता को संबोधित करते हुए सरकार पर तंज कसा। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने त्योहारों के बीच जनता को बड़ा उपहार दिया है। कृषि कार्य, माल ढोने वाले वाहनों में सवारी बैठाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवारी बिठाने पर कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि एडीजी ट्रैफिक ने सभी जिलों की यातायात पुलिस को नियम उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपए का चालान करने, वाहन सीज करने के निर्देश दे दिए हैं। जयंत चौधरी ने गांव सावटू में 40 बीघा भूमि पर स्पोर्ट्स स्टेडियम बनवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मोरना चीनी मिल के विस्तारीकरण के लिए 19 अक्टूबर से रालोद चीनी मिल गेट पर ही धरना देगी। जयंत चौधरी ने कहा कि जिस दौर में सत्ताधारी अपने कथन पर कायम नहीं रहते उसी दौर में हमें स्व. महेंद्र सिंह टिकैत और स्व. चौ. चरण सिंह के किसानों के हित में किये गए संघर्षों को याद कर आगे बढ़ना होगा।

किसानों के हक की लड़ाई में अकेला न समझे भाकियू : संजय सिंह

सिसौली के किसान भवन में भाकियू के दिवंगत अध्यक्ष स्व. चौ. महेंद्र सिंह टिकैत की 87वीं जयंती में पहुंचे आप नेता संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रत्येक वर्ग के हक की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि स्व. महेन्द्र सिंह टिकैत ने किसानों के हक में जो आवाज बुलंद की उसकी गूंज आज तक सुनी जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसानों का हक मारकर चंद कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का कुचक्र रचा जा रहा है, लेकिन उसको किसी भी सूरत में पूरा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत को आश्वस्त किया कि वह उनके कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी किसानों के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी है। अंत में चौ. महेन्द्र सिंह टिकैत की 87वीं जयंती पर किसान भवन पर हवन और यज्ञ का आयोजन किया गया।

सड़क निर्माण की परियोजनाएं समय पर पूरी हों : सीएम योगी

» मुख्यमंत्री बोले, 15 नवंबर तक सड़कें हों गड्ढामुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कल से होने वाली आल इंडिया रोड कांग्रेस से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी विभाग को बड़ा अल्टीमेटम दे दिया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सड़कों की मरम्मत का प्रदेशव्यापी अभियान जल्द शुरू करें। इसके साथ उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य राजमार्ग प्राधिकरण (उपशा) को पीपीपी मोड पर सड़क निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने को कहा है, जिससे कि निजी निजी निवेश को प्रोत्साहन मिले।

प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार 1.0 की शुरुआत ही प्रदेशव्यापी गड्ढामुक्त सड़कों के अभियान से हुई और अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दूसरे कार्यकाल में यह बड़ा प्रदेशव्यापी अभियान चलाने जा रहे हैं। उन्होंने उच्चस्तरीय बैठक में निर्देश दिया कि सड़कों की गड्ढामुक्ति के लिए जल्द ही प्रदेशव्यापी अभियान शुरू करें। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समय सीमा भी तय कर दी है कि 15 नवंबर तक उत्तर प्रदेश की सभी सड़कें पूरी तरह गड्ढामुक्त हो जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में राजधानी में आठ अक्टूबर से होने जा रहे भारतीय सड़क कांग्रेस के 81वें अधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा के साथ सड़कों की स्थिति पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी प्रगति का माध्यम होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले पांच वर्ष में इस क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। आज सुदूर गांवों तक अच्छी सड़कों की कनेक्टिविटी है। बार्डर क्षेत्र तक बेहतरीन सड़कों का संजाल है। इसका सीधा लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ उसके रखरखाव का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। समय-समय पर सड़कों की मरम्मत किया जाना भी जरूरी होता है।

अभियान 15 नवंबर तक पूरा कर लिया जाना चाहिए

औद्योगिक क्षेत्रों और कृषि मंडी क्षेत्रों में अच्छी सड़कों का होना आवश्यक है। इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। योगी ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का यह अभियान 15 नवंबर तक पूरा कर लिया जाना चाहिए। कहा कि कोई व्यक्ति गांव में रहता हो या फिर मेट्रो सिटी में, अच्छी सड़कें, बेहतर कनेक्टिविटी उसका अधिकार है। ऐसे में सड़क सिंगल लेन की हो अथवा दो, चार या छह लेन की, उसकी गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क निर्माण की परियोजनाएं समय पर पूरी हों। समय-समय पर इनकी गुणवत्ता की जांच की जाए। लापरवाही अथवा अधोमानक सड़कों के मामलों में जीरो टालरेंस की नीति के साथ जवाबदेही तय की जाए। सड़क निर्माण में निजी क्षेत्र के निवेशकों का सहयोग लिए जाने का भी सुझाव सीएम ने दिया। निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश राज्य राजमार्ग प्राधिकरण (उपशा) पीपीपी मोड पर गुणवत्तापरक सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना तैयार करे।

सरकार को घेरने में जुटी सपा वाराणसी में निकालेगी पदयात्रा

» देश बचाओ देश बनाओ के तहत महानगर में निकाली जाएगी पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पूर्व बढ़ती महंगाई, बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरने में सपा जुट गई है। वाराणसी के अर्दली बाजार स्थित कार्यालय में इसको लेकर बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता कर रहे निवर्तमान महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि देश बचाओ देश बनाओ के तहत आठ से दस अक्टूबर तक महानगर में पदयात्रा निकाली जाएगी।

बैठक में निवर्तमान महानगर महासचिव जितेंद्र यादव ने कहा कि आठ अक्टूबर को मिंट हाउस चौराहे, नौ को सिगरा स्टेडियम, 10 को हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय से पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा की जिम्मेदारी पूर्व प्रत्याशियों के साथ निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुजीत यादव को दी गई है। उधर, विजयादशमी वाले दिन भदोही से चलकर औराई के रास्ते पदयात्रा बनारस के बिहड़ा पहुंची। जिसका स्वागत निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने किया।

अमन गिरी को उम्मीदवार बना सकती है भाजपा

» पूर्व विधायक के बेटे को मिल सकता है मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा वहां से विधायक रहे स्वर्गीय अरविंद गिरी के बेटे अमन गिरी को उम्मीदवार बना सकती है। कल देर शाम मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भाजपा कोर कमेटी की बैठक में उप चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के पैनल के साथ आगामी निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर मंथन हुआ।

गोला गोकर्णनाथ से भाजपा के पूर्व विधायक अरविंद गिरी के निधन से खाली हुई सीट पर उप चुनाव हो रहा है। उप चुनाव के लिए भाजपा पूर्व विधायक के बेटे अमन गिरी पर दांव लगा सकती है। वहीं विजय माहेश्वरी जिला उपाध्यक्ष, ठाकुर प्रसाद गंगवार और ईश्वरदीन वर्मा भी दावेदार हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की मौजूदगी में हुई बैठक में उप चुनाव के लिए चार दावेदारों का पैनल तैयार किया गया। पैनल को केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के नेताओं का मानना है कि पूर्व विधायक के निधन से उनके परिवार के प्रति स्थानीय मतदाताओं और कार्यकर्ताओं की सहानुभूति को देखते हुए अमन गिरी को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

देसी विदेशी मेहमानों की मेजबानी करेगा आवास विकास परिषद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आवास विकास परिषद शहीद पथ स्थित अवध शिल्प ग्राम के पीछे देशी व विदेशी मेहमानों की मेजबानी के लिए अब पंद्रह नहीं पचास एकड़ में सभागार व होटल बनाएगा। दस हजार से अधिक क्षमता का वातानुकूलित सभागार बनाने की योजना है। उद्देश्य होगा कि एक छत के नीचे मंच पर विराजमान शख्स अपनी बात हाल में उपस्थित हर शख्स तक पहुंचा सके और उससे सीधा मुखातिब भी हो सके। इसलिए हर सीट पर भाषा परिवर्तन उपकरण भी लगाए जाएंगे, जिससे हिंदी से अंग्रेजी व अंग्रेजी से हिंदी में भाषा परिवर्तन की सुविधा हो। पचास एकड़ परिसर में सार्वजनिक निजी साझेदारी पीपीपी पर बजट होटल आधा दर्जन से अधिक संख्या में बनाए जाएंगे। इन बजट व कुछ पांच सितारा होटल में वीवीआईपी रुक सकेंगे। कई लाख वर्ग फीट जगह खाली भी छोड़ी जाएगी। आवश्यकता पड़ने या लोगों की भीड़ लाखों में होने पर खुले मैदान में संबोधित किया जा सके। यहां आने वाले लोगों के लिए भूमिगत चार पहिया वाहनों की पार्किंग बनाई जाएगी। इसकी क्षमता करीब तीन हजार के आसपास होगी।

यूपी में पार्टी को मजबूत करने के लिए कांग्रेस नए लोगों को दे रही मौके

» यूपी कांग्रेस कमेटी से पुराने निष्ठावान कार्यकर्ताओं के नाम नदारद

» नए लोगों को मौका, इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस ने 24 की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में इस बार पीसीसी की लिस्ट में पुरानों की जगह नए लोगों को मौका दिया जा रहा है। अरसे से कांग्रेस के सिपाही और लखनऊ पश्चिम से पार्टी के विधायक रहे श्याम किशोर शुक्ला 1980 से प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के सदस्य रहे लेकिन इस बार जब पीसीसी की नई सूची जारी हुई तो उसमें उन्हें जगह नहीं मिली। सिर्फ श्याम किशोर शुक्ला ही नहीं, पीसीसी के नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची से पार्टी के तमाम पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के नाम नदारद हैं।

पीसीसी के नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची अधिकृत तौर पर तो जारी नहीं की गई है लेकिन इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही इस लिस्ट में कांग्रेस के कई पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के नाम नहीं हैं। यह वे चेहरे हैं जो पिछली बार तक गठित रही पीसीसी के सदस्य रह चुके हैं। वहीं नई लिस्ट में वो चेहरे हैं, जो युवा हैं और 24 में पार्टी को धार दे सकते हैं। फिलहाल अभी नए लोगों के नाम नहीं उजागर किए गए हैं। हालांकि इस लिस्ट में पिछले पांच बार से पीसीसी के सदस्य रहे कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता कृष्णकांत पांडेय को इस बार जगह नहीं मिल सकी। प्रदेश कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष और पार्टी के प्रदेश महासचिव रहे चौधरी अखिलेश सिंह पिछले पांच बार से पीसीसी के सदस्य थे लेकिन इस बार वह पीसीसी के 1247 नवनिर्वाचित सदस्यों में स्थान नहीं पा सके। वहीं कांग्रेस के टिकट पर अठारहवीं विधान सभा का चुनाव लड़ने वाले ज्यादातर प्रत्याशी पीसीसी के नवनिर्वाचित सदस्यों में शामिल हैं। इनमें बहुत बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जो विधान सभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे।

नई लिस्ट में कई पुराने कार्यकर्ताओं के नाम नहीं

रीता बहुगुणा जोशी, निर्मल खत्री और राज बब्बर के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते उनकी कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष रहे बलिया के दिग्विजय सिंह इस बार पीसीसी में जगह पाने में नाकाम रहे। यही हाल गोंडा के सत्यदेव सिंह का रहा। रीता बहुगुणा जोशी, निर्मल खत्री और राज बब्बर के नेतृत्व वाली प्रदेश कार्यकारिणी में वह महासचिव रह चुके हैं लेकिन इस बार वह पीसीसी में स्थान पाने के लायक नहीं रहे। गाजीपुर की जहूराबाद सीट के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह की गिनती पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में होती है लेकिन पीसीसी की नई सूची से वह भी बेदखल हो गए। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव और प्रदेश प्रवक्ता रहे द्विजेंद्र त्रिपाठी का नाम भी पीसीसी में शामिल न होना तमाम पार्टी कार्यकर्ताओं को चौंका गया। पिछली बार खलीलाबाद से पीसीसी सदस्य निर्वाचित हुए पूर्व प्रदेश प्रवक्ता वीरेंद्र मदान का नाम नई कमेटी के सदस्यों में शामिल न होने पर भी कार्यकर्ताओं को अचरज हुआ है।

बृजलाल खाबरी आठ को संभालेंगे पदभार

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश में पार्टी के बड़े पुनर्गठन में लगी है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में एक नया प्रदेश अध्यक्ष के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष को नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष बृजलाल खाबरी तथा अन्य छह प्रांतीय अध्यक्ष आठ अक्टूबर को लखनऊ में अपना कार्यभार संभालेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अब विजयदशमी के बाद नए कलेवर में दिखेगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष आठ को अपना कार्यभार संभालेंगे। लखनऊ के माल एवेन्यु में कांग्रेस के दफ्तर ने इनके कक्ष को तैयार किया जा रहा है। बृजलाल के साथ ही छह प्रांतीय अध्यक्षों के नामों की घोषणा एक अक्टूबर को की गई थी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में इन सभी के अपना पद संभालने के बाद राजनीतिक कार्यक्रम जारी किए जाएंगे। साथ ही प्रदेश में संगठन को विस्तार देने के लिए नए लोगों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। यूपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव भी हैं। इससे पहले वह बीएसपी में कैडर के नेता हुआ करते थे। 1999 में बसपा के टिकट पर ही खाबरी सांसद बने थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में बनेंगे मतदाता

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में पीसीसी के निर्वाचित सदस्य और कांग्रेस के जिला व शहर अध्यक्ष मतदाता की भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ जाने के बावजूद पीसीसी के निर्वाचित सदस्यों की सूची को सार्वजनिक न किये जाने पर पार्टी के तमाम कार्यकर्ता इसमें हेरफेर की आशंका जता रहे हैं। इस बाबत पूछने पर प्रदेश कांग्रेस के सचिव (संगठन) अनिल यादव ने कहा कि पीसीसी सदस्यों की सूची सार्वजनिक नहीं की जाती है। यह चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को दी जाती है ताकि वे इसके माध्यम से मतदाताओं से संपर्क कर सकें। उन्होंने कहा कि पीसीसी सदस्यों की सूची अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को दी जा चुकी है।

निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने बनायी खास रणनीति, अल्पसंख्यकों पर नजर

» अल्पसंख्यक वार्ड में भी उम्मीदवार उतारेगी भाजपा

» मोर्चा खोजेगा जिताऊ प्रत्याशी, लाभार्थियों से भी करेंगे संवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा ने नगर निकाय चुनाव को लेकर कमर कस ली है। इसके लिए उसने खास प्लान बनाया है। इस रणनीति के तहत भाजपा ऐसे वार्ड और नगर पंचायतों में भी अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतारेगी जहां इससे पहले उसने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। ये ऐसे वार्ड और नगर पंचायत हैं जहां अधिकतर अल्पसंख्यक वोटर हैं। ऐसे वार्ड और नगर पंचायत में कमल खिलाने के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जुट गया है। अल्पसंख्यक मोर्चा जल्द ही इसके लिए प्रदेश भर में बैठकों का सिलसिला शुरू करेगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने बताया कि प्रदेश में 1200 से अधिक ऐसे वार्ड हैं जहां अल्पसंख्यक वोटर बहुत बड़ी संख्या में हैं। इन वार्ड में पहले प्रत्याशी तक नहीं उतारे। ऐसे ही 50 से 60 नगर पंचायत हैं जहां चुनाव नहीं लड़ाते थे लेकिन इस बार इन सभी में अपने सिंबल पर उम्मीदवार उतारेंगे। अपने अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता जो अल्पसंख्यक समाज से आते उनको चुनाव लड़ाएंगे। मेरठ में किठौर के अलावा हर्रा, खेवाइ समेत कई नगर पंचायत हैं जहां अब तक कैंडिडेट नहीं उतारते थे, लेकिन इस बार उतारे जाएंगे। पश्चिमी यूपी में ऐसी नगर पंचायत और वार्ड ज्यादा है तो वहां जिम्मेदारी भी ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी लगातार कह रहे हैं कि वे किसी भी वार्ड या नगर पंचायत को छोड़ने वाले नहीं हैं, चाहे बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक सभी जगह अपने कैंडिडेट उतारेंगे। ऐसे में अल्पसंख्यक मोर्चा की जिम्मेदारी है कि पहले से तैयारी में लगकर बताए कि कौन से अच्छे कैंडिडेट है जो जिताऊ और टिकाऊ हैं। सरकार की योजनाओं में सबसे ज्यादा लाभार्थी अल्पसंख्यक समाज से है। हर बूथ पर 100 लाभार्थी से संपर्क करेंगे।

लोक सभा चुनाव पर भी फोकस

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग मन से भाजपा को वोट देना चाहते हैं लेकिन फिरकापरस्त ताकतें प्रोपेगंडा फैलाकर, जाल बिछाने का काम करती है। इस चुनाव से अल्पसंख्यक समुदाय को कमल पर वोट देने की आदत पड़ेगी। इसका सीधा लाभ 2024 के चुनाव में मिलेगा। जिस बूथ पर 50 वोट मिलता था 250 तक मिलेगा। अभी अल्पसंख्यक समाज के वोट हमें 7-8 परसेंट पर रुक जाते है। इस चुनाव के बाद हम 25 परसेंट अल्पसंख्यक समुदाय का वोट लेने का काम करेंगे। सपा का एमवाई फैक्टर लगातार कमजोर हो रहा है। मुसलमान और यादव भाजपा को लगातार वोट कर रहे हैं। रामपुर-आजमगढ़ क्षेत्र में जाल को तोड़ा गया है। लोगों ने मंच से खुलकर भाजपा को जिताने का वोट देने का काम किया है. जो खानदान और परिवारवाद की राजनीति करते आ रहे हैं। परिवार से बाहर नहीं आ रहे लोगों ने इनकी तरफ ध्यान देना बंद कर दिया है।

जुटाया जा रहा आंकड़ा

अल्पसंख्यक बहुल ऐसे वार्ड और नगर पंचायत का आंकड़ा जुटा रहे हैं जहां पहले कैंडिडेट नहीं उतारे या उतारे लेकिन जीते नहीं। इसके बाद अगले हफ्ते से जिलेवार बैठक होगी, तैयारी की जाएगी। संगठन के लिहाज से 98 जिले हैं उन सभी में जाकर जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष के साथ बैठकर योजना बनाई जाएगी। एक महीने के अंदर सभी जिलों का भ्रमण होगा। पूरी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री को देंगे। उनको जिताऊ और टिकाऊ कैंडिडेट के नाम का सुझाव देंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्वच्छता के पैमाने पर राजधानी

> स्वच्छ सर्वेक्षण की ताजा रैंकिंग ने लखनऊ नगर निगम की पोल खोल दी है। रैंकिंग में पांच पायदान की गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि सर्वेक्षण से पहले अधिकारी रैंकिंग सुधरने के बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। सच यह है कि शहर की स्वच्छता के लिए कोई ठोस कार्यप्रणाली आज तक विकसित नहीं की जा सकी है।

तमाम दावों के बावजूद स्वच्छता के पैमाने पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ फिर फिसड्डी साबित हुई है। इसकी रैंकिंग पिछले वर्ष के मुकाबले पांच पायदान नीचे चली गयी है। पिछले साल इसकी रैंकिंग 12वीं थी जो इस वर्ष गिरकर 17वीं पर पहुंच गई है। वही मध्य प्रदेश के इंदौर ने लगातार छठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। सूरत दूसरे और नवी मुंबई शहर तीसरे स्थान पर रहा। स्पष्ट है कि लखनऊ की साफ-सफाई को लेकर घोर लापरवाही बरती जा रही है। सवाल यह है कि प्रदेश की राजधानी में इतनी गंदगी क्यों है? साफ-सफाई के नाम पर हर साल आवंटित होने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद शहर को स्वच्छ रखने में नगर निगम नाकाम क्यों है? शहर से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य क्यों फैला है? क्या प्रदेश की सरकार इंदौर मॉडल से कोई सीख लेगी? क्या ऐसे ही शहर को स्मार्ट बनाने का सपना साकार हो सकेगा? क्या सरकार इस मामले में कोई ठोस पहल करेगी?

स्वच्छ सर्वेक्षण की ताजा रैंकिंग ने लखनऊ नगर निगम की पोल खोल दी है। रैंकिंग में पांच पायदान की गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि सर्वेक्षण से पहले अधिकारी रैंकिंग सुधरने के बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। सच यह है कि शहर की स्वच्छता के लिए कोई ठोस कार्यप्रणाली आज तक विकसित नहीं की जा सकी है। कुछ पॉश इलाकों को छोड़ दें तो अधिकांश में गंदगी का अंबार है। घर-घर कूड़ा उठान और उसके निस्तारण की उचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है। नालों की सफाई तक ठीक से नहीं हो रही है। यही वजह है कि बारिश के समय इनका पानी सड़कों पर भर जाता है और लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिवरी प्लांट में लगे कूड़े का पहाड़ तक नहीं साफ किया जा सका है। पुराने लखनऊ की हालत और भी बदतर है। यहां नाली का पानी गलियों में बहता रहता है। लोग खाली प्लाटों में कूड़े को डंप कर रहे हैं। इससे संक्रामक रोगों का खतरा बना रहता है। यह स्थिति तब है जब साफ-सफाई के लिए नगर निगम के पास न केवल पर्याप्त संसाधन बल्कि बजट भी उपलब्ध है। रैंकिंग में इतनी बड़ी गिरावट से साफ है कि शहर को स्वच्छ रखने में नगर निगम कोई रूचि नहीं ले रहा है। बस कागजों पर सबकुछ दुरुस्त होने के दावे किए जा रहे हैं। यदि सरकार राजधानी को स्वच्छ रखना चाहती है तो उसे न केवल नगर निगम को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी अन्यथा शहर को न तो स्वच्छ बनाया जा सकेगा न ही स्मार्ट।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फिर से उभार की कोशिश में कांग्रेस

संजय बारू

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार शशि थरूर ने कहा है कि वे बदलाव के प्रतिनिधि हैं जबकि दूसरे प्रत्याशी मल्लिकार्जुन खड़गे निरंतरता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह कहकर थरूर ने अपने को राहुल के सामने खड़ा कर दिया है। माना जाता है कि बदलाव का माध्यम और प्रतीक राहुल गांधी को होना है। अब जब पार्टी फिर से अपने उभार की कोशिश में है तो उसे निरंतरता व बदलाव दोनों के प्रतीकों की जरूरत है। दिल्ली के कई सियासी विश्लेषकों ने इसे नकली चुनाव कह कर कांग्रेस पर तंज किया है लेकिन इस प्रक्रिया को समझा जाना चाहिए।

हो सकता है कि असली योजना यह रही होगी कि अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाकर राजस्थान से हटा दिया जाए और उनकी जगह सचिन पायलट को सीएम बना दिया जाए पर यह दांव उलटा पड़ गया। भारतीय सत्ता शक्ति के छात्र एक बुनियादी पाठ यह पढ़ते हैं कि शक्ति के मामले में देश में तीन पद मायने रखते हैं पीएम, सीएम और डीएम। इन तीनों के पास स्वतंत्रता से काम करने का संवैधानिक अधिकार है, जो कुछ ही अन्य पदाधिकारियों के पास होता है। तो कोई सीएम जिसके पास बहुमत है, ऐसे पार्टी पद के लिए अपनी सत्ता क्यों छोड़ेगा जो केवल सजावटी है? अध्यक्ष का पद सजावटी इसलिए है कि कोई भी अध्यक्ष पार्टी की सत्ता संरचना के महत्वपूर्ण लोगों से इतर स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर सकता है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा को यह पता है। वे भी एक तरह से सजावटी हैं तथा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्षस्थ लोगों से निर्देश लेना पड़ता है। अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह, खड़गे और शशि थरूर बहुत अच्छी तरह जानते हैं कि कांग्रेस में अध्यक्ष के रूप में सफल रहने के लिए सोनिया व राहुल गांधी से लगातार विचार-विमर्श करते रहना होगा। सो, दोनों राष्ट्रीय दलों के अध्यक्षों को पार्टी के असली सत्ता केंद्रों के साथ ताल मिलाकर चलना होता है। अधिकतर क्षेत्रीय पार्टियां वैसे भी नेता के बेहद करीबी लोगों द्वारा चलायी जाती हैं इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को दिखावा कहना उचित नहीं है और ऐसा करने से असली बात छूट जाती है।

वह यह है कि आखिरकार 'आलाकमान' ने यह समझा कि व्यापक जन समर्थन पाने के लिए किसी नेता का पार्टी के भीतर राजनीतिक वैधता हासिल करना अनिवार्य शर्त है। सोनिया गांधी पार्टी पर इसलिए काबिज हो सकी थीं क्योंकि राजीव गांधी के विश्वासपात्रों का पार्टी संगठन

पर नियंत्रण था, जिन्होंने सीताराम केसरी का तख्ता पलटने में उनकी मदद की। उनका अध्यक्ष बनना 1992 में अपने को अध्यक्ष निर्वाचित करवाने के पीवी नरसिम्हा राव के निर्णय से बिल्कुल उलटा था। राव ने धुरंधर नेताओं को हराया था। सोनिया परिवार को उत्तराधिकार देने में असफल रहीं और राहुल को पार्टी संगठन पर नियंत्रण लेने के लिए अलग रास्ते अपनाने पड़े हैं। पदयात्रा का भी यही लक्ष्य है। भले ही मीडिया में थरूर के दोस्त उनकी उम्मीदवारी की तुलना संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उनके चुनाव से करें, लेकिन किसी ने उनके महासचिव पद जीतने की आशा नहीं की थी और कोई भी चुनाव जीतने की आशा भी नहीं कर रहा है पर मैदान में उतरने और अपनी बात कहने में कुछ भी गलत नहीं है। अध्यक्ष के रूप में खड़गे की वही भूमिका होगी जो मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में निभायी थी यानी नेहरू-गांधी परिवार को ऊपर रखना। खड़गे की जाति और क्षेत्रीय पहचान का भी अर्थ है। वे दलित हैं और कर्नाटक से आते हैं।

2022 में अध्यक्ष का चुनाव इसलिए नहीं हो रहा है कि कौन 2024 के चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेगा। वह नेतृत्व राहुल गांधी ही करेंगे। राहुल को ऐसा 'सांगठनिक' व्यक्ति चाहिए, बहुत कुछ नड्डा की तरह, जो रोजमर्रा के उबाऊ सांगठनिक मामलों को देखे और देशभर के कार्यकर्ताओं की बात सुने। आंतरिक रूप से पार्टी को थरूर के बुद्धिमान मुख की अपेक्षा खड़गे के धैर्यपूर्ण कानों की अधिक आवश्यकता है। वाम मोर्चे की कीमत पर केरल में अधिक सीट जीतना समझदारी नहीं है। कांग्रेस को भाजपा को हराकर सीटें हासिल करनी चाहिए तथा भाजपा विरोधी पार्टियों की मदद करनी चाहिए। भाजपा अपने विरोधियों से आगे है, पर उसकी जमीन खिसक रही है। हिंदी पट्टी में हिचकिचाहट है। तब भी 2024 में भाजपा लोक सभा में सबसे बड़ी पार्टी होगी व शायद बहुमत भी पा ले, लेकिन गैर-भाजपा दलों के लिए संभावनाएं हैं। भाजपा द्वारा किनारे धकेल दी गयीं गैर-भाजपा दलों ने लड़ने का दम दिखाया है. पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐसा किया है और तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव यह कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी अपने समर्थकों के सामने संघर्ष करने की अपनी क्षमता, इच्छा और कल्पना का प्रदर्शन किया है। पदयात्रा और सांगठनिक चुनाव इसमें सहयोगी हो सकते हैं।

भोजन का अधिकार और भूख से आजादी

रवींद्रनाथ महतो

जिन आशाओं के साथ हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने स्वतंत्र भारत का निर्माण किया था, स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी वे पूरी नहीं हो पायी हैं। भारत में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न की उपलब्धता में लगातार वृद्धि होने के बावजूद वैश्विक भूख सूचकांक में 116 देशों में भारत का स्थान 101 है। झारखंड की बात करें, तो नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पोषण और गरीबी के मानकों में झारखंड देश के सबसे पिछड़े राज्यों में एक है। यह एक विरोधाभास है क्योंकि संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद हम राज्य के सभी लोगों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पाये हैं। झारखंड में न केवल देश की लगभग 40 प्रतिशत खनिज संपदा का स्रोत है, बल्कि देश के लिए एक विशाल मानव संसाधन का भंडार भी है। इस क्षमता को राष्ट्र निर्माण के वास्तविक योगदान में बदलने के लिए हमारे राज्य को अपने बुनियादी विकास संकेतकों में सुधार करने की आवश्यकता है। बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण किसी भी राज्य के विकास के प्रमुख स्तंभ हैं। पिछले कुछ वर्षों में झारखंड के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है लेकिन वह समुचित नहीं है।

झारखंड के पोषण संकेतकों में सुधार लाने में पोषण अभियान की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2018 में इसकी शुरुआत के बाद से पोषण अभियान ने राज्य में बाल स्वास्थ्य एवं पोषण के विभिन्न घटकों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार, एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। उम्र की तुलना में कम लंबाई की दर 45.3 प्रतिशत से घट कर 39.6 प्रतिशत हुई है। वहीं लंबाई के अनुपात में कम वजन 29 प्रतिशत से घट कर 22.4 प्रतिशत हुआ है। उम्र के अनुपात में कम वजन का संकेत पूर्व के 47.8 प्रतिशत से घट कर 39.4 प्रतिशत हो गया है। पोषण अभियान बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसका उद्देश्य पोषण माह के माध्यम से लोगों को जमीनी स्तर पर पोषण अभियान से जोड़ना है। इस वर्ष सितंबर के राष्ट्रीय पोषण माह का थीम 'सशक्त/सबल नारी, साक्षर बच्चा, स्वस्थ भारत' था। इसके तहत बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए एकीकृत एवं जमीनी दृष्टिकोण को अपनाया गया है, जिसमें ग्राम पंचायत, सरकारी पदाधिकारियों एवं स्थानीय समुदायों की भागीदारी को सुनिश्चित करके इसे जन आंदोलन से जन भागीदारी में बदला गया है। पोषण माह में महिला एवं स्वास्थ्य, बच्चा एवं शिक्षा, पोषण एवं पढ़ाई, लैंगिक संवेदनशीलता के साथ जल संरक्षण एवं प्रबंधन तथा आदिवासी क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों के लिए उपलब्ध पारंपरिक खान-पान आदि पर फोकस किया गया। प्रतिबद्ध स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को डिजिटल मीडिया से जोड़ा गया है जो एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। झारखंड जैसे राज्य में पोषण और स्वास्थ्य के मुद्दों के हल के लिए आदिवासी समुदायों को इस अभियान से जोड़ना महत्वपूर्ण है। पोषण माह एक ऐसा अवसर है, जिसके माध्यम से बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने हेतु सार्वजनिक वितरण सेवाओं के उपयोग में आदिवासी समुदाय की भूमिका को बढ़ाया जा सकता है।

पोषक उद्यान की अवधारणा झारखंड में घर आधारित खेती की संस्कृति को ही बल प्रदान कर रहा है, जिसके तहत राज्य में दीदी बाड़ी योजना (मनरेगा के तहत) लागू की गयी है। इसके माध्यम से स्थानीय भोजन, खास कर मोटे अनाज-ज्वार, बाजरा एवं रागी तथा विभिन्न प्रकार के साग-चौलाई, पालक, सहजन, सरसों, चना, अरबी तथा मेथी के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना है। स्वच्छता तथा स्वच्छ पानी की उपलब्धता पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

हम जानते हैं कि झारखंड में खेल की भी एक समृद्ध संस्कृति है और इसने देश को क्रिकेट विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेलों, ओलिंपिक, बॉक्सिंग चैंपियनशिप, तीरंदाजी जैसे आयोजनों में लोहा मनवाने के कई अवसर दिये हैं अगर कम उम्र में बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने के मौके उपलब्ध हों, तो हमारे बच्चों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता है। यह तभी संभव है, जब गर्भवती माताओं एवं बच्चों को उनके प्रारंभिक वर्षों में उचित पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। यदि हर वर्ष पोषण माह को व्यवस्थित ढंग से लागू किया जाए तो इसमें झारखंड को कुपोषण मुक्त करने का सामर्थ्य है। सुप्रीम कोर्ट ने पीयूसीएल बनाम भारत सरकार मामले में कहा है कि भोजन का अधिकार जीवन के अधिकार का एक अभिन्न और अविभाज्य अंग है तथा इस पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता है। सभ्य समाज में जीने का अधिकार अपने-आप में भोजन का अधिकार, शुद्ध पानी, शुद्ध वातावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आश्रय के अधिकार को सम्मिलित करता है। राज्य सरकार द्वारा पोषण और भोजन के अधिकार को मूर्त रूप प्रदान करने का प्रयासलगातार किया जा रहा है। जब हम अपने इन प्रयासों में सफल होंगे, तभी सही मायनों में हम अपने राष्ट्र निर्माताओं के सपनों को पूरा कर पायेंगे।

शरद पूर्णिमा
पर करें मां लक्ष्मी का स्वागत

हिंदू पंचांग के अनुसार हर एक माह में 15-15 दिन के दो पक्ष होते हैं एक शुक्ल पक्ष और दूसरा कृष्ण पक्ष और इसी में पूर्णिमा तिथि आती है। अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा और कोजागरी पूर्णिमा कहते हैं। यह सभी पूर्णिमा में विशेष स्थान रखती है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और घर-घर भ्रमण करती हैं। इस रात को जो कोई जागते हुए मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना करता है उन पर मां लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं। मां लक्ष्मी उस व्यक्ति के घर पर वास करने लगती हैं। इसके अलावा शरद पूर्णिमा की रात को चांद अपनी सभी सोलह कलाओं में होता है और उससे निकलनी वाली किरणें अमृत सामान होती है। शरद पूर्णिमा पर खुले आकाश के नीचे रात भर खीर रखा जाता है। मान्यता है कि चांद की अमृत रूपी किरणें जब खीर में पड़ती है वह अमृत बन जाती है। इस बार शरद पूर्णिमा पर कई विशेष शुभ योग बन रहा है जिससे कारण यह बहुत खास बन गया है।

ग्रहों की स्थिति

इस साल 09 अक्टूबर को मनाई जाने वाली शरद पूर्णिमा पर गुरु अपनी राशि यानी मीन में रहते हुए चंद्रमा के साथ युति बनाएंगे। इस युति से गजकेसरी नाम का शुभ योग बनेगा। शास्त्रों में गजकेसरी योग को बहुत ही शुभ माना गया है। इसके अलावा बुध ग्रह अपनी ही राशि में रहते हुए सूर्य के साथ युति बनाएंगे जिसे बुधादित्य योग कहा जाता है। शरद पूर्णिमा पर गजकेसरी और बुधादित्य योग के साथ इस दिन शनि भी अपनी स्वराशि में रहेंगे। इसके अलावा अन्य तरह के कई योग भी बनेंगे जिसमें शश योग, सर्वार्थसिद्धि योग, ध्रुव और स्थिर योग होगा। वर्षों बाद शरद पूर्णिमा पर इस तरह के ग्रहों के संयोग के कारण शुभ खरीदारी और शुभ कार्य करने पर शुभ फलदायी रहने वाला होगा।

महत्व

अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को कोजागर पूर्णिमा,रास पूर्णिमा या शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इस बार यह पूर्णिमा 09 अक्टूबर को मनाई जाएगी। धर्मग्रंथों के अनुसार कुछ रातों का बहुत महत्व है जिसमें शरद पूर्णिमा भी शामिल है। इसी दिन से पुण्य प्रदाता कार्तिक मास के यम नियम, व्रत ,स्नान और दीपदान का आरम्भ हो जाता हैं। शरद पूर्णिमा से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक नित्य प्रति संध्या के समय तुलसी और खुले आकाश के नीचे दीपदान करने से दु:ख,दरिद्र का नाश होता हैं।

पृथ्वी पर आती हैं मां लक्ष्मी

ज्योतिष मान्यता के अनुसार जो भक्त इस रात लक्ष्मी जी की षोडशोपचार विधि से पूजा करके श्री सूक्त का पाठ,कनकधारा स्त्रोत,विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करते है उनकी कुण्डली में धनयोग नहीं भी होने पर माता उन्हें धन-धान्य से संपन्न कर देती हैं। नारद पुराण के अनुसार शरद पूर्णिमा की श्वेत धवल चांदनी में विष्णुप्रिया माता लक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर सवार होकर अपने कर-कमलों में वर और अभय लिए निशीथ काल में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और माता यह भी देखती है- कि कौन जाग रहा है? यानि अपने कर्मों को लेकर कौन-कौन सचेत हैं। जो जन इस रात में जागकर माँ लक्ष्मी की उपासना करते है माँ लक्ष्मी की उन पर असीम कृपा होती है,प्रतिवर्ष किया जाने वाला कौमुदी व्रत लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने वाला है।

09 अक्टूबर को मनाई जाएगी शरद पूर्णिमा

क्या करें

शरद पूर्णिमा की रात को घर की छत पर खीर बनाकर रखें। शरद पूर्णिमा पर चांद की किरणें खीर में पड़ने से यह औषधि के रूप में लाभ पहुंचाती है। शरद पूर्णिमा की रात को कुछ देर चांद की चांदनी में बैठना चाहिए। शरद पूर्णिमा की रात को हनुमानजी की पूजा और उनके सामने चौमुखा दीपक जलाएं। शरद पूर्णिमा की रात में जागते हुए मां लक्ष्मी, भगवान शिव, कुबेर और चंद्रदेव की आराधना करनी चाहिए। मान्यता है इस दिन मां लक्ष्मी से जुड़े मंत्रों का जाप करने पर मां लक्ष्मी और कुबेर देव की कृपा मिलती है।

हंसना मना है

12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई, कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी: 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था' पति: 'वो तो अभी भी है।' पत्नी खुश होकर 'सच' पति 'हां, पहले 300 रुकी थीं, अब 2 Litre की है!!!'

रमेश (नौकर से): जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर : बाहर तो अंधेरा है। संता : अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी : सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं. पति कौन से तौलिये? पत्नी : अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

सास : जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई : सासु मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा. सास : छिपकली क्यूं? जमाई : क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

पति : सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी : मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

कहानी | होशियार तोता

जंगल में एक तोता रहता था। वह बहुत सुंदर था। उसकी चोच और पंख बहुत ज्यादा सुन्दर थे। उस तोते के साथ उसका छोटा भाई भी रहता था। वह दोनों जंगल में खुशी-खुशी रहते थे। एक दिन एक शिकारी जंगल में आया। उसने तोते की इस जोड़ी को देखा और सोचा, यह तोते बहुत सुंदर और खास है। मैं इन तोतों को राजा को भेट करूंगा। उस शिकारी ने जंगल में अपना जाल बिछाया ताकि वह दोनों तोतो को पकड़ सके। जल्द ही दोनों तोते उस शिकारी की जाल में फस गए। उसने तोतों को अपने पिंजरे में रखा और अपने घर वापस चला गया। उस शिकारी ने राजा से कहा, ओह राजा, देखिये तोतो की इस सुन्दर जोड़ी को। मैंने इन्हें घने जंगल से पकड़ा है। इनकी सुंदरता देखकर सोचा कि मैं इन्हें आपको भेट स्वरुप दू। यह आपके महल की खूबसूरती में चार चाँद लगा देंगा। यह सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने शिकारी को हजार सिक्के इनाम में दिए। उस राजा ने दोनों तोतों को सोने के पिंजरे में रखा और आपने सेवको को उनकी देखभाल करने का आदेश दिया। तोतों की बहुत अच्छे से देखभाल की जाती थी। उन्हें महल में बहुत महत्वपूर्ण पक्षियों की तरह रखा गया। उन्हें खाने में फल और स्वादिस्ट खाना दिया जाता था। सबकी नजर महल के तोतों पर रहती थी। बल्कि राजकुमार भी उस तोतों के साथ केलाने आता था। तोते बहोत खुस थे। उन्हें सब कुछ बिना महेनत से मिल रहा था। बड़े तोते ने अपने भाई से कहा, 'हमें इस राजमहल में काफी इज्जत मिली है। इसलिए में पूरी तरह संतुष्ट हूं।' छोटे भाई ने जवाब दिया , 'तुम सही कह रहे हो । हमें एकदम राजसी सेवा मिल रही है। यह हमारी किस्मत है।' एक दिन शिकारी कला बन्दर लेकर आया और उसने उसका नाम काला बहु रखा। वह बन्दर राजा को भेट किया गया। रजा ने आपने सेवको को बंदर को आंगन में रखने के लिए कहा। रजा और उनका बीटा यानी छोटा राजकुमार बंदर की हरकतें देखकर बहुत खुश और हैरान हुआ करते थे। जल्द ही बंदर ने सभी को आपनी और आकर्षित कर लिया था। बंदर से आने से तोतो पर अब कोई ध्यान नहीं देता था। कभी-कभी तो उन्हें खाना भी कोई देता ही नहीं था। यानी उनपे किसी का ध्यान ही नहीं था। दोनों तोतो को इसका कारन पता था। बड़ा तोता होशियार था और उसे उम्मीद थी की जल्दी उनके दिन बदलेंगे इसलिए इन्हें उदास नहीं होना चाहिए । उसने आपने भाई को सांत्वना दी, 'इस दुनिया में कोई चीज हम्मेसा के लिए नहीं होती। जब तक हमारे बुरे दिन क्खातं नहीं होते तब तक धीरज रखो।'एक दिन बंदर राजकुमार के आगे कुछ पेश कर रहा था और उससे राजकुमार डर गया और वो चिल्लाया, 'मेरी मदद करो, 'मेरी मदद करो।'राजकुमार की आवाज सुनकर सभी उसके पास आ गए और वहा से राजकुमार को ले गए। जब राजा को इसका पता चला तो उसने अपने सेवको को आदेश दिया की वह बंदर को जंगल में छोड़ आये। तुरंत ही सैनिक बंदर को पकड़कर जंगल में छोड़ आए। अब तोतों के बुरे दिन खत्म हो गए थे। उनकी फिर से खातिरदारी होने लगी। उनके लिए अच्छे और स्वादिस्ट पकवान बनाये जाते थे।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। वैवाहिक जीवन अनुकूल होगा। पिछले कुछ दिनों से जो प्लानिंग आपके दिमाग में है उस पर काम शुरू न करें तो ही अच्छा है।

वृषभ
आज कामकाज में आपका पूरा मन लगेगा। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो उसे आज समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

मिथुन
केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है।

कर्क
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा। कानूनी मसलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

सिंह
आज आपकी वाणी की मिठास से आप इच्छित काम निकाल सकेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे जो आप के बने बनाये कार्य बिगाड़ सकते हैं। सूझ-बुझ से धनलाभ होगा।

कन्या
आज सुख-सुविधा पर खर्चा करने का मन बन सकता है। बैंक से जुड़े कार्यों में सतर्क रहें। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।

तुला
आज आपका दिन फेयरवेल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक धन लाभ होगा। घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी व्यावहारिक प्रवृत्ति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक
परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफी सारी मांगें होंगी। किसी से विवाद और मतभेद हो सकते हैं। खर्चा और फालतू दौड़-भाग हो सकती है। धन हानि भी हो सकती है।

धनु
आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

मकर
जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

कुम्भ
आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। आज काम के मामले में कोई बड़ी चुनौती भी आपके सामने आ सकती है।

मीन
आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बच्ची को गोद लेने वाली ट्रांसजेंडर का रोल करेंगी सुष्मिता सेन

वेब सीरीज आर्या में दमदार परफॉर्मेंस के बाद एक बार फिर सुष्मिता सेन ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर छाने के लिए कमर कस ली है। सुष्मिता सेन जल्द ही अपनी नई वेबसीरीज के लिए शूटिंग शुरू करने वाली हैं। अपनी अपकमिंग वेबसीरीज में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर के किरदार में नजर आएंगी। ऐसा पहली बार होगा जब सुष्मिता किसी ट्रांसजेंडर के रोल को अदा करती नजर आएंगी। सुष्मिता सेन को ट्रांसजेंडर के अवतार में देखना उनके फैन्स के लिए खास रहने वाला है। आइए जानें आखिर किस फेमस ट्रांसजेंडर की जिंदगी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुष्मिता सेन जानी मानी ट्रांसजेंडर गौरी सावंत की जिंदगी को अपनी अदायगी से दुनिया के सामने रखेंगी। ट्रांसजेंडर समुदाय के हक में आवाज उठाने वाली गौरी की जिंदगी काफी प्रेरणादायक है। तमाम मुश्किलों के बाद भी उन्होंने ना सिर्फ खुद की एक पहचान बनाई बल्कि ट्रांसजेंडर समाज के हक के लिए भी बहुत काम किया। आपको बता दें ट्रांसजेंडर गौरी ने एक गायत्री नाम की एक बच्ची को गोद भी लिया है और मां के रूप में उसका पालन-पोषण करती हैं। खबरों के मुताबिक इस वेबसीरीज में गौरी और उनकी गोद ली बच्ची के रिश्ते को भी दिखाया जाएगा। खबरों के मुताबिक जब सुष्मिता को इस सीरीज के लिए अप्रोच किया गया तो उन्हें ट्रांसजेंडर गौरी का किरदार बहुत पसंद आया। जानकारी के लिए बता दें कि गौरी ने ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता के रूप में साल 2000 में 'सखी चार चौघी ट्रस्ट' की शुरुआत की थी। उनकी ये संस्था सेफ सेक्स के लिए जागरुकता फैलाने और ट्रांसजेंडर समाज की समस्याओं से लड़ने और उन्हें प्रोत्साहन देने की दिशा में काम करता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली इस वेबसीरीज को 6 एपिसोड में दिखाया जाएगा। कुछ दिन पहले खबरें आई थीं कि सुष्मिता जल्द ही अपनी हिट वेबसीरीज आर्या की तीसरी कड़ी पर काम शुरू करने जा रही हैं।

प्रभास ने दशहरे पर किया रावण दहन

भले ही आदिपुरुष को लेकर जितनी भी जंग सोशल मीडिया पर छाई हो लेकिन प्रभास लगातार लोगों के बीच फिल्म की प्रमोशन के लिए मुस्तैद हैं। फिल्म में दिखाए गए VFX और सैफ अली खान को रावण रूप में देखकर लोगों ने बायकॉट की मांग भी की। ऐसे में दशहरे की पावन शाम को लाल किले के रामलीला मैदान में प्रभास ने रावण दहन किया।

प्रभास ने चलाया बाण

बुधवार को दिल्ली में लाल किले पर लव कुश रामलीला के भव्य आयोजन में एक्टर प्रभास ने भी शिरकत की। इस दौरान मंच पर फिल्म आदिपुरुष का टीजर भी दिखाया गया। फिर क्या हाथ में धनुष उठाए प्रभास ने तीर छोड़ रावण का दहन किया। उस दौरान पूरे मैदान में लोगों ने जय जयकार करना शुरू कर दिया।

फोटो वायरल

चारों और सोशल मीडिया पर प्रभास को फोटोज और वीडियोज वायरल हो रहे हैं। लोग डायरेक्टर ओम राउत की भगवान राम की पसंद को लेकर काफी खुश हैं। प्रभास की काफी सराहना भी की जा रही है। फिर भी कहीं न कहीं लोगों के मन में तथ्यों को लेकर छेड़छाड़ का डर बैठा हुआ है।

हिंदू सेना भड़की

फिल्म को लेकर जारी कॉन्ट्रोवर्सी के बाद हिंदू सेना ने अभिनेता प्रभास और सैफ अली खान स्टारर आदिपुरुष पर बैन लगाते हुए सूचना प्रसारण सचिव को एक लेटर लिका है। हिंदू सेना के अध्ययन ने यहां तक कहा कि विदेशी फंडिंग की मदद से भगवान राम की इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। आगे फिल्म को लेकर लोगों का रुख क्या रहेगा ये तो समय ही बता सकता है।

बॉलीवुड | मसाला

प्रिया प्रकाश के बोल्ड लुक ने उड़ाए फैंस के होश

विंक गर्ल के नाम से मशहूर प्रिया प्रकाश वारियर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बेशक उन्होंने हिन्दी सिनेमा में कदम न रखा हो, लेकिन साउथ इंडस्ट्री का वह जाना माना नाम हैं और अपने विंक वाले वीडियो के कारण पूरे देश में मशहूर हो चुकी हैं। आज प्रिया के फैंस उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं। ऐसे में एक्ट्रेस का हर वीडियो और पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है। प्रिया भी अपने फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि, खुद एक्ट्रेस भी इंस्टाग्राम लवर हैं। ऐसे में उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पेज पर भी देखने को मिलती रहती है। इस बार एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड अवतार से सभी के होश उड़ा दिए हैं। या फिर यूं कहा जाए कि कुछ समय में एक्ट्रेस काफी बोल्ड हो चुकी हैं। अब लेटेस्ट फोटो में प्रिया को देखकर ऐसे लग रहा है कि वह किसी ट्रिप पर निकली हुई हैं। इस दौरान वह लगातार अपनी फोटोज शेयर कर रही हैं। ताजा तस्वीरों में एक्ट्रेस किसी बोट पर बैठी दिख रही हैं यहां उन्होंने ब्रालेट और ब्लैक शॉर्ट्स पहने हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने बालों को ओपन रखा है। वहीं, दूसरी तस्वीर में प्रिया को समुद्र में देखा जा सकता है। दोनों ही फोटोज में वह बेहद हॉट दिख रही हैं।

बॉलीवुड | गपशप

अजब-गजब | यहां मनाया जाता है रावण की मृत्यु का शोक

इन गांवों में दशहरे पर पसरा रहता है मातम

दशहरे के दिन देशभर में रावण दहन किया जाता है। विजदशमी के दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था। ऐसे में इस दिन बुराई पर अच्छाई के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया जाता है। हर जगह मेलों की रौनक देखने को मिलती है। रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतले जलाएं जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि देश के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं, जहां दशहरे के दिन रावण का दहन नहीं किया जाता है बल्कि उसकी मृत्यु का शोक मनाया जाता है। दरअसल, इन गांवों का संबंध रावण व इसके परिवार से जुड़ा है। जानते है देश की कौन सी जगहों पर रावण दहन नहीं किया जाता।

विदिशा के पास नटेरन नामक गांव: मध्यप्रदेश के विदिशा के पास नरेटन नामक गांव है। यहां दशहरे पर रावण की पूजा की जाती है और उसकी मृत्यु का शोक मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यह गांव रावण की पटरानी मंदोदरी का गांव था। इसलिए यह गांव रावण को दामाद मानता है। ऐसे में वे विजयदशमी के दिन रावण की बरसी मनाते हैं।

कानपुर में दशानन मंदिर: कानपुर जिले के शिवाला में दशानन मंदिर है। यह मंदिर साल में सिर्फ एक बार दशहरे के दिन खुलता है। इस दिन मंदिर को फूलों से सजाया जाता है। रावण की मूर्ति को दूध से नहलाया जाता है। इसके बाद भक्त रावण की पूजा करके सरसों तेल के दीपक जलाते हैं। दशहरा पर्व पर मंदिर के द्वार रावण दहन से पहले ही बंद कर दिए जाते हैं।

राजस्थान के जोधपुर में: राजस्थान के जोधपुर जिले में मंदोदरी नामक एक स्थान है। ऐसा कहा जाता है कि इसी जगह पर रावध ने मंदोदरी से विवाह किया था। इसके साथ ही यहां के चांदपोल स्थान पर रावण का मंदिर भी स्थापित है। रावण और मंदोदरी के विवाह स्थल पर चवरी नाम की एक छतरी भी है।

कर्नाटक के मंड्या जिले में होती है रावण की पूजा: कर्नाटक के मंड्या जिले में भी रावण दहन नहीं किया जाता। यहां दशहरे के दिन रावण की पूजा की जाती है। इसके साथ ही कर्नाटक के कोलार जिले में भी रावण दहन नहीं किया जाता। यहां के लोगों का मानना है कि दशानन महान शिव भक्त था इसलिए रावण दहन नहीं बल्कि उसकी भी पूजा होनी चाहिए।

आंध्र प्रदेश के काकिनाड में: बता दें कि रावण बहुत बुद्धिमान और शक्तिशाली था। उसके पास कई तरह की सिद्धियां थीं। ऐसे में आंध्रप्रदेश के काकिनाड इलाके में एक रावण मंदिर भी है। इस मंदिर में रामभक्त भी दर्शन करने आते हैं। यहां पर रावण को शक्तिसम्राट माना जाता है।

मंदसौर: मध्यप्रदेश के मंदसौर में भी दशहरे के दिन रावण की मृत्यु का शोक मनाया जाता है। यहां विजयदशमी पर रावण की पूजा करने का विधान है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पुराने समय में मंदसौर गांव का नाम दशपुर था। ऐसा कहा जाता है कि यह जगह रावण की पत्नी का मायका था। ऐसे में यहां पर रावण दहन होने की जगह पर दशानन की पूजा होती है।

इसे माना जाता है एशिया का सबसे अमीर गांव, यहां रतोंरात मालामाल हो गए थे लोग

गांव में रहने कोई आसान बात नहीं होती, क्योंकि यहां रहना बेहद मुश्किल होता है। क्योंकि गांव में ना शहर जैसी सुख सुविधाएं होती और ना ही रोजगार। गांव के लोग बेहद मुश्किल से अपने परिवार का गुजारा करते है। तमाम लोग तो रोजगार की तलाश में गांव से पलायन करने तक को मजबूर हो जाते हैं। लेकिन कई बार कुछ गांववालों की किस्मत रातों रात चमक भी जाती है। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे एशिया का सबसे अमीर गांव माना जाता है। इस गांव में आपको ढूंढने से भी कोई गरीब इंसान नहीं मिलेगा। यहां रहने वाला हर आदमी करोड़पति है।

दरअसल, अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले स्थित बोमजा नाम के गांव में हर कोई करोड़पति है। बता दें कि कुछ साल पहते तक तो बोमजा गांव के लोग आम गांववालों की तरह ही थे, लेकिन इस गांव की सरकार ने एक ही रात में मालामाल कर दिया। क्योंकि सरकार ने इस गांव के किसानों की जमीन को अधिगृहित किया था। बोमजा गांव में जमीन अधिग्रहण कर सरकार ने गांव वालों को 40 करोड़ 80 लाख 38 हजार400 रुपये मुआवजे के तौर पर दिया। इससे इस गांव का हर शख्स करोड़पति बन गया। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के इस गांव में सिर्फ 31 परिवार रहते हैं। ऐसे में सरकार की ओर से मिले मुआवजे के रुपयों ने इस गांव के लोगों को करोड़पति का दर्जा दे दिया। गांव के 31 परिवारों में से सरकार ने 29 परिवारों को 1,09,03,813.37 रुपये मुआवजा दिया। वहीं बाकी के 2 परिवारों में से एक परिवार को 2,44,97,886.79 रुपये दिये गए और दूसरे परिवार को 6,73,29,925.48 रुपये मुआवजा दिया गया। बोमजा गांव के किसानों की जमीन अधिगृहित कर सरकार ने गांव वालों को मालामाल कर दिया। अब सरकार इस जमीन पर भारतीय सेना के जवानों के लिए घर बनाने गए थे। उसके बाद यहां सेना की एक यूनिट को भी स्थापित किया गया, जिससे तवांग क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक दुरुस्त हो गई। बता दें कि तवांग भारत के बेहद संवेदनशील इलाकों में एक है। इस इलाके में चीन की हमेशा टेढ़ी नजर रहती है।

कर्जमाफी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही भाजपा : गहलोत

केवल उद्योगपतियों का कर्ज किया जा रहा है माफ, राजस्थान के विकास में नहीं आने दूंगा कोई कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भीलवाड़ा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को भीलवाड़ा में आयोजित जनसभा में भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा कर्जमाफी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। उसे यह कहते हुए शर्म नहीं आती कि राजस्थान में कर्ज माफ ही नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों का नहीं, उद्योगपतियों का करोड़ों का कर्ज माफ करती है। हमारी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है लेकिन कोई दुश्मनी रखता है तो उन्हें समझाने का मुझे तरीका निकालना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि जनता का आशीर्वाद मिलेगा तो प्रदेश में कांग्रेस सरकार दोबारा बनेगी। हम चाहते है कि सरकार रिपीट हो और विकास में राजस्थान अग्रणीय बने। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है, हम सभी से प्यार करते हैं, चाहे आप हमारी आलोचना करो, हम उसका भी स्वागत करेंगे। गहलोत ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस कार्यकाल में 3 लाख 55 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दीं हैं अगर सरकार फिर बनी तो और नौकरियां भी देंगे। पांचवें बजट में और नौकरियों की घोषणा भी की जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों की कर्जमाफी की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने 14 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी का भुगतान किया है। सरकार ने किसानों पर जितने भी कर्ज हैं, उन्हें माफ करने की घोषणा कर दी है। राजस्थान के बैंकों ने चाहे वह भूमि विकास बैंक हो या अन्य उनके द्वारा कर्ज माफ कर दिए गए हैं, लेकिन केन्द्र के अधीन राष्ट्रीयकृत बैंकों ने इसमें रूचि नहीं दिखाई है। यह केंद्र सरकार का मामला है।

बागपत के एएसपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। बागपत में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के खिलाफ गाजियाबाद की एक अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने पुलिस को आदेश दिया है कि वे एएसपी को 19 अक्टूबर तक कोर्ट में पेश करें।

» गवाही के लिए पेश न होने पर अदालत सख्त

एएसपी पर गाजियाबाद में तैनाती के दौरान बच्ची से दुष्कर्म की घटना के मामले में गवाही देने के लिए नहीं उपस्थित होने का आरोप है। पॉक्सो कोर्ट से गुरुवार को यह समन जारी किया गया है। अदालत के विशेष लोक अभियोजक संजीव बखारवा ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार मिश्रा पूर्व में गाजियाबाद में एसपी सिटी तथा क्षेत्राधिकारी द्वितीय के पद पर तैनात रहे हैं। उसी दौरान 15 सितंबर 2016 को सिहानी गेट के एक मोहल्ले में दुष्कर्म की घटना हुई थी। सात वर्षीय बच्ची के साथ 26 वर्षीय परविंदर ने दुष्कर्म किया था। यह वारदात तब हुई थी जब बच्ची पार्क में खेल रही थी। बच्ची ने घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों को घटनाक्रम बताया। इसके बाद परिवार के लोगों ने केस दर्ज कराया। इस पर पुलिस ने परविंदर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले में अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को होनी है। सभी की गवाही पूरी हो चुकी थी। सिर्फ एएसपी मनीष मिश्र का बयान रह गया था। वह गवाही के लिए पेश नहीं हो रहे थे।

शिक्षा मॉडल पर सिसोदिया ने भाजपा को घेरा, कहा

ऐसे तो 15 हजार साल में ठीक हो पाएंगे गुजरात के स्कूल

» भाजपा ने राज्य में 27 साल में सिर्फ 73 स्कूलों को किया ठीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शिक्षा मॉडल पर गुजरात सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 27 साल की सत्ता में रहते हुए 73 सरकारी स्कूलों को ठीक किया है। इस रफ्तार से भाजपा को गुजरात के सभी 40,800 सरकारी स्कूलों को ठीक करने में 15 हजार साल का समय लग जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुजरात के लोग जानते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मात्र पांच साल में दिल्ली के सरकारी स्कूलों को शानदार बना दिया। केजरीवाल गुजरात के स्कूलों को भी पांच सालों में शानदार बना सकते हैं। गुजरात की जनता भी अब पांच सालों में ही अपने स्कूलों को ठीक करवाना चाहती है, उन्हें 27 सालों में 73 स्कूल ठीक करवाने का भाजपा का मॉडल स्वीकार नहीं है। वहीं सिसोदिया के बयान पर भाजपा ने जोरदार पलटवार किया है। दिल्ली के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार के स्कूलों की दयनीय स्थिति पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों के स्कूल और वहां पढ़ने वाले बच्चों की दिए जाने वाले ध्यान का 10 फीसदी हिस्सा यदि दिल्ली सरकार के स्कूलों पर दे देते तो आज अधिकतर स्कूल प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य के बिना नहीं चल रहे होते। वहीं सैनिक स्कूल खोलने का प्रचार करने वाली दिल्ली सरकार ने उसे निजी हाथों में बेचने का काम किया है।

शिंदे ने साबित किया, कौन है असली शिवसेना : देवेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं सीएम एकनाथ शिंदे को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने साबित कर दिया कि असली शिवसेना कौन है। उनकी रैली में राज्यभर के लोग आए, इसने स्थापित किया कि असली शिवसेना सीएम शिंदे की शिवसेना है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मुंबई में दशहरा रैली में भारी भीड़ ने दिखाया कि असली शिवसेना का नेतृत्व कौन करता है। उन्होंने कहा कि शिवसेना में विभाजन का कारण यह था कि ठाकरे ने शिवसेना की विचारधारा को एक ओर रख दिया और राकांपा और कांग्रेस की विचारधारा को स्वीकार कर लिया व मुंबई विस्फोटों से संबंध रखने वाले और स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर को गाली देने वालों के साथ बैठ गए। फडणवीस ने कहा कि मुझे शिंदे को बधाई देनी चाहिए क्योंकि उन्होंने विकास के बारे में बात की थी। उन्होंने इस बारे में बात की कि हम क्या कर रहे हैं और क्या करने की योजना बना रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में चुनावी बिगुल फूंकेंगी प्रियंका

» 14 अक्टूबर को सोलन में करेंगी रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। सोलन में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा की रैली अब 14 अक्टूबर को आयोजित होगी। खराब मौसम की आशंका के चलते रैली को स्थगित किया गया है। प्रियंका की विधान सभा चुनावों को लेकर पहले कांगड़ा, फिर सुजानपुर व पालमपुर में रैलियां प्रस्तावित थीं लेकिन यह रैलियां भी आयोजित नहीं की गई।

हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनावों के लिए राजनीति पूरी तरह चरम पर पहुंच गई है। कांग्रेस की हालांकि अभी तक प्रदेश में कोई बड़ी रैली नहीं हुई है लेकिन दूसरी तरफ भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों बिलासपुर में बड़ी रैली को संबोधित किया। इससे पहले भी वह एक बार वर्चुअल रैली को भी संबोधित कर चुके हैं। प्रधानमंत्री के अलावा कई केंद्रिय नेता हिमाचल में आकर रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। कांग्रेस ने भी निर्णय लिया है कि केंद्रीय नेताओं की हर संसदीय क्षेत्र में रैली करवाई जाएगी। सोलन में चुनावी शंखनाद के बाद मंडी, कांगड़ा और हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में भी रैली करवाई जाएगी। कांग्रेस के कई बड़े नेता जिनमें राहुल गांधी, अशोक गहलोत, सचिन पायलट, मल्लिकार्जुन खड़गे, भूपेश बघेल सहित अन्य नेता हिमाचल में चुनाव प्रचार को आएंगे। हिमाचल में होने वाले विधान सभा चुनावों में प्रचार की कमान प्रियंका वाड्रा के हाथों में रहेगी। सोलन में वह चुनावी बिगुल फूंकेंगी इसके बाद हर संसदीय क्षेत्रों में उनकी दो से तीन रैलियां करवाने की तैयारियां चल रही है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में इसको लेकर बैठक भी आयोजित हो चुकी है।

भाजपा को फायदा पहुंचाने वाले बयानों से बचे विपक्ष!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व सांसद उदितराज ने राष्ट्रपति के नमक के बयान को लेकर उन पर कटाक्ष किया तो पूरी भाजपा तिलमिला गई। उदित राज का बयान गलत था या राष्ट्रपति को भाजपा की भाषा नहीं बोलनी चाहिए? इस पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, ऋषि मिश्रा, अनिल सिन्हा, अनिल जयहिंद और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा कि जब पूरा देश, ईडी, सुप्रीम कोर्ट और महामहिम पर टिप्पणी करने से बच रहा है तब इस पर आप डिबेट करा रहे हैं तो 4पीएम के जज्बे को सलाम। उदित राज कांग्रेस नेता के रूप में कम दलित चिंतक ज्यादा है। राष्ट्रपति के लिए कई बार टिप्पणी की गई है। पहले राष्ट्रपति किसी के प्रभाव में नहीं आते थे मगर लगता है अब थोड़ा मुलायम हो गए हैं। ऋषि मिश्रा ने कहा कि आप ऐसे बयान ही क्यूं देते हैं जिससे भाजपा को फायदा होता है और राष्ट्रपति को भी ऐसे बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति को लेकर बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। अनिल जयहिंद ने कहा कि राष्ट्रपति का जो पद हैं ये भी अपने आप में कंट्रोवर्शियल है। यहां राष्ट्रपति किसी न किसी राजनीतिक पार्टी के दम पर बनता है तो कहीं न कहीं उसके मन में रहता है कि मुझे राष्ट्रपति बनाने में इस पार्टी का अहसान है तो उसके आचरण में वह झलकता है।

अनिल सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रपति ने गुजरात के नमक के बारे में ही नहीं कहा बल्कि गुजरात मॉडल की भी तारीफ की। मोदी को भी सराहा। उदित राज को भाषा को लेकर जरूर संयम बरतना चाहिए लेकिन उन्होंने जो सवाल उठाया है, वे सही हैं। दलित और आदिवासी के नाम पर अगर आप पद हासिल करते हैं तो आप भी गरिमा का ध्यान रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रदेश में खुलेंगे 94 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ सेंटर: पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत अब प्रदेश में 94 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ सेंटर खुलेंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रदेश में पहली बार ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाई जा रही है। जल्द ही इनके लिए भवन निर्माण शुरू होगा। यह सभी यूनिट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबद्ध होंगे। इसके लिए नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने धनराशि जारी कर दी है।

हर यूनिट के लिए लगभग 48.95 लाख रुपये के हिसाब से कुल 46 करोड़ एक लाख 30 हजार रुपये जारी किए गए हैं। इसकी पहली किस्त के 2300.18 लाख रुपये जारी किए गए हैं। भवनों का निर्माण आवास विकास परिषद, प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन, राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ करेगा।

» मरीजों को इलाज मुहैया कराने की नई रणनीति

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि नई रणनीति से सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में सामान्य बीमारी से पीड़ितों का दबाव कम होगा। ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में मरीजों को प्राथमिक स्तर का इलाज मिल सकेगा। इसमें डॉक्टर से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक होंगे। दवा, पैथोलॉजी व दूसरी जांच की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन सेंटरों में इलाज पूरी तरह से मुफ्त होगी। यहां के गंभीर मरीजों को उच्च सेंटर रेफर किया जाएगा।

मुलायम सिंह की हालत में सुधार नहीं, पाठक पहुंचे मेदांता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और संरक्षक मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य में सुधार नहीं है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मुलायम सिंह यादव बीते छह दिन से वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उनको लगातार जीवनरक्षक दवा की डोज दी जा रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आज मेदांता अस्पताल पहुंचकर मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सदस्य तथा मुलायम सिंह यादव के चचेरे भाई प्रोफेसर राम गोपाल यादव से मुलाकात की। ब्रजेश पाठक ने इसको लेकर ट्वीट भी किया। पाठक ने आज मेदांता अस्पताल पहुंचकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य का कुशलक्षेम जाना तथा परिवार के लोगों से भेंटकर नेता जी (मुलायम सिंह यादव) के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दीर्घायु जीवन के लिए कामना भी की। ब्रजेश पाठक करीब आधा घंटा तक मेदांता अस्पताल में रहे। उन्होंने नेताजी का इलाज कर रहे चिकित्सकों के दल से भी मुलाकात की। इसके बाद मुलायम सिंह यादव के परिवार के सदस्यों से भी मिले।

बीजेपी को टक्कर देने के लिए तैयार होगी कांग्रेस: शशि थरूर

» कहा, पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल सीमित हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे शशि थरूर ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है। घोषणा पत्र में उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल सीमित करने की वकालत की है। साथ ही उन्होंने 2024 के आम चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को पुनर्जीवित और फिर से सक्रिय करने की जरूरत बताई है।

थरूर ने कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में कहा कि मेरा संदेश पार्टी को पुनर्जीवित करना, इसे फिर से सक्रिय करना, कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना और लोगों के संपर्क में रहना है। मेरा मानना है कि कांग्रेस 2024 में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी भाजपा को टक्कर देने के लिए राजनीतिक रूप से तैयार हो जाएगी। थरूर ने आगे कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए मेरे मन में सम्मान है। अध्यक्ष पद का चुनाव मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा है। इसका विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि हम एक ही पार्टी से हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी पार्टी में काम करने की सुधार करने की जरूरत है। हमें पार्टी में युवाओं को लाने और उन्हें जिम्मेदारी देने की आवश्यकता है। हमें कड़ी मेहनत करने वाले और पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान देना होगा।

चुनाव से पीछे नहीं हटूंगा

थरूर ने अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि वह चुनाव से पीछे नहीं हटेंगे। दरअसल, कयास लगाए जा रहे थे कि कम समर्थन के कारण थरूर अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह अभी भी मैदान में हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों से समर्थन मिल रहा है।

कांग्रेस को युवाओं की पार्टी बनाने का इरादा

कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार नेता शशि थरूर ने कहा है कि वे कांग्रेस को युवाओं की पार्टी बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पक्ष में समर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है। शशि थरूर ने कहा कि यह उनके लिए बहुत खुशी की बात है कि जो युवा भविष्य हैं और हमारे देश में बहुसंख्यक भी हैं, उन्होंने चुनाव में उनका समर्थन किया है। हमारी आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष और उससे कम आयु के लोगों का है। यह उनका देश है, यह एक युवा भारत है। उन्होंने कहा, बाहर के लोग क्या सोचते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होना है।

भाजपा नड्डा की अध्यक्षता में ही लड़ेगी 2024 का चुनाव

» पार्टी के संसदीय बोर्ड के फैसले से होगा कार्यकाल विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वस्त जेपी नड्डा की अध्यक्षता में ही भाजपा अगला यानी 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेगी। नड्डा का वर्तमान कार्यकाल अगले वर्ष 20 जनवरी को खत्म हो रहा है। उससे पहले संसदीय बोर्ड उनका कार्यकाल बढ़ाने के फैसले पर मुहर लगा देगा। भाजपा में अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है और यह लगातार दो बार हो सकता है।

वर्तमान स्थिति में लगातार चुनाव होने वाले हैं। गुजरात और खुद नड्डा के गृह राज्य हिमाचल में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल मार्च-अप्रैल में कर्नाटक के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव हो सकते हैं। इस लिहाज से पार्टी नेतृत्व का यह मन बन चुका है कि फिलहाल अध्यक्ष का चुनाव टालकर नड्डा के कार्यकाल को लगभग डेढ़ साल का विस्तार दिया जाए ताकि पार्टी बिना भटकाव के लोकसभा चुनाव तक रणनीति को जमीन पर उतार सके। कार्यकाल विस्तार का फैसला संसदीय बोर्ड के ही अधिकार क्षेत्र में आता है। उधर, चुनाव की पूरी प्रक्रिया होती है जिसे राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अंतिम मंजूरी दी जाती है। वैसे भी नड्डा ने कोविड संक्रमणकाल के वक्त जिस तरह पार्टी के अंदर संवाद स्थापित कर प्रचार-प्रसार किया, उसका असर साफ दिखा था। उनके कार्यकाल में ही पार्टी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में दोबारा जीत कर सत्ता में आई। बंगाल में भाजपा बड़ी मजबूती के साथ मुख्य विपक्षी दल बनकर उभरी। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उनके अध्यक्षकाल में तीन सालों में देश में जितने भी उपचुनाव हुए, उनमें लगभग 56 प्रतिशत सीटें भाजपा की झोली में आईं।

सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कन्या पूजन का फोटो लगाकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोपी सपा नेता राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी सपा लोहिया वाहिनी का सदस्य बताया जा रहा है। हालांकि पार्टी ने सभी इकाइयों को भंग कर रखा है।

रामगढ़ताल पुलिस ने आरोपी पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी कर सौहार्द बिगाड़ने सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया। राहुल यादव रामगढ़ताल इलाके के कजाकपुर का निवासी है। जानकारी के मुताबिक, उसने मुख्यमंत्री के कन्या पूजन से संबंधित एक फोटो सोशल मीडिया पर लगाया था। उसने लिखा था कि बच्ची डर रही है, क्योंकि भगवा पहनकर ही रावण भी आए थे। इस टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

योगी के मंत्री ने कहा, मैं बनिये की औलाद नहीं हूं, गुस्से में वैश्य समाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले मंत्री दिनेश खटीक ने एक बार फिर से वैश्य समाज को लेकर टिप्पणी की है। उनकी इस कथित टिप्पणी से वैश्य समाज के लोगों में काफी आक्रोश है। मेरठ में वैश्य समाज सेवा समिति पर राज्यमंत्री दिनेश खटीक द्वारा की गई टिप्पणी पर अध्यक्ष दीपक गुप्ता के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को डीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया।

उन्होंने कहा कि दो दिन में कार्रवाई नहीं होने पर संपूर्ण समाज धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करेगा। मेरठ में कमिश्नरी चौराहे पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री गिरीश बंसल की अध्यक्षता में वैश्य समाज की बैठक हुई। इसमें हस्तिनापुर विधायक और प्रदेश राज्यमंत्री दिनेश खटीक की कथित टिप्पणी पर नाराजगी जताई गई। कहा गया कि वैश्य समाज के प्रति की गई टिप्पणी असहनीय है। वैश्य समाज भाजपा का बंधुआ मजदूर नहीं है। वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपील करता है कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि राज्यमंत्री ने जो शब्द (कथित) कहे हैं, इसके लिए वह समाज से माफी मांगे। दरअसल, मेरठ के परीक्षितगढ़ में दीपक त्यागी की हत्या के खुलासे को लेकर परिजन व ग्रामीण धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। धरने में त्यागी समाज के लोग भी मौजूद थे। इस दौरान किसी व्यक्ति ने कहा कि मंत्री जी आप ही पीड़ित परिवार की एक करोड़ रुपये की मदद कर दीजिए। इस पर राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने कहा था कि मैं बनिये की औलाद नहीं हूं, जो एक करोड़ रुपये की मदद कर दूं। हालांकि उनके इस बयान से वैश्य समाज में आक्रोश फैला हुआ है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।